(11) 1

This question paper contains 4 printed pages. 22/5/17

Your Roll No. .....

Sl. No. of Ques. Paper: **8711** **GC-4**

Unique Paper Code : **12131202**

Name of Paper : **Self Management in the Gita**

Name of Course : **B.A. (Hons.) Sanskrit**

Semester : **II**

Duration : **3 hours**

Maximum Marks : **75**

DESHBANDHU COLLEGE
LIBRARY
Kalkaji, New Delhi-19

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

NOTE:— *Unless otherwise required in a question, answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.*

टिप्पणी:— *अन्यथा आवश्यक न होने पर, प्रश्न-पत्र के उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए। परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।*

All questions are compulsory.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

1. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए:

Explain the following: 5×7=35

(क) श्रोत्रं चक्षुः स्पर्शनं च रसनं घ्राणमेव च।
अधिष्ठाय मनश्चायं विषयानुपसेवते।।

अथवा (*Or*)

महाभूतान्यहंकारो बुद्धिरव्यक्तमेव च।
इन्द्रियाणि दशैकं च पञ्च चेन्द्रियगोचराः॥

(ख) इन्द्रियाणां हि चरतां यन्मनोऽनुविधीयते।
तदस्य हरति प्रज्ञां वायुर्नावमिवाम्भसि।।

अथवा (*Or*)

धूमेनाव्रियते वह्निर्यथादर्शो मलेन च।
यथोल्बेनावृतो गर्भस्तथा तेनेदमावृतम्॥

(ग) असंशयं महाबाहो मनो दुर्निग्रहं चलम्।
अभ्यासेन तु कौन्तेय वैराग्येण च गृह्यते।।

अथवा (*Or*)

तत्रैवं सति कर्तारमात्मानं केवलं तु यः।
पश्यत्यकृतबुद्धित्वान्न स पश्यति दुर्मतिः॥

(घ) प्रजहाति यदा कामान्सर्वान्पार्थ मनोगतान्।
आत्मन्येवात्मना तुष्टः स्थितप्रज्ञस्तदोच्यते।।

अथवा (*Or*)

शरीरवाङ्मनोभिर्यत्कर्म प्रारभते नरः।
न्याय्यं वा विपरीतं वा पञ्चैते तस्य हेतवः।।

(ङ) अपनेक्षः शुचिर्दक्ष उदासीनो गतव्यथः।
सर्वारम्भपरित्यागी यो मद्भक्तः स मे प्रियः।।

अथवा (*Or*)

मत्कर्मकृन्मत्परमो मद्भक्तः सङ्गवर्जितः।
निर्वैरः सर्वभूतेषु यः स मामेति पाण्डव॥

2. आत्मप्रबन्धन क्या है? आत्मप्रबन्धन की प्रक्रिया में मन और इन्द्रियों की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।

What is Self-Management? Discuss the role of Mind and Sense in the process of Self-Management according to the *Gita*.

अथवा (*Or*)

गीता के सन्दर्भ में आत्मप्रबन्धन की मनोवैज्ञानिक पृष्ठभूमि की समीक्षा कीजिए।

Critically examine the psychological background of 'Self-Management' in the context of the *Gita*. 11

अथवा (*Or*)

3. गीता के अनुसार त्रिविध गुणों की विशेषताओं का वर्णन करते हुये सात्त्विक बुद्धि की महत्ता पर प्रकाश डालिए।

Describe the principles of three *Gunas* and explain the importance of *Sattvika buddhi* according to the *Gita*.

अथवा (*Or*)

गीता के अनुसार योग की सिद्धि में तपश्चर्या के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

Discuss the importance of austerity in the *Yoga* according to the *Gita*. 11

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणियाँ लिखिए:

(i) आहार-शुद्धि

(ii) सन्तुलित जीवन

(iii) व्यवसायात्मिका बुद्धि

(iv) परमात्म-शरण

(v) मनो-निग्रह

Write short notes on any *three* of the following:

(i) Purity of diet

(ii) Balanced life

(iii) Determinate intellect

(iv) Shelter of God

(v) Restraint of the mind $3 \times 6 = 18$

(12)

This question paper contains 6 printed pages. 15/5/17

Your Roll No. .....

Sl. No. of Ques. Paper: **8710** **GC-4**

Unique Paper Code : **12131201**

Name of Paper : **C3 : Classical Sanskrit Literature (Prose)**

Name of Course : **B.A. (Hons.) Sanskrit**

Semester : **II**

Duration : **3 hours**

Maximum Marks : **75**

DESHBANDHU COLLEGE ★ LIBRARY ★ Kalkaji, New Delhi-19

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

NOTE:— *Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.*

टिप्पणी:— *अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिये, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिये।*

All questions are compulsory.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

भाग क (SECTION A)

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो का अनुवाद कीजिए:

Translate any *two* of the following: 5×2=10

(क) तात चन्द्रापीड ! विदितवेदितव्यस्याधीतसर्वशास्त्रस्य ते नाल्पमप्युपदेष्टव्यमस्ति। केवलञ्च निसर्गत एवाभानुभेद्यमरत्नालोकोच्छेद्यमप्रदीपप्रभापनेयमतिगहनं तमो यौवनप्रभवम्। अपरिणामोपशमो दारुणो लक्ष्मीमदः। कष्टमनञ्जनवर्तिसाध्यम् अपरं ऐश्वर्यतिमिरान्धत्वम्।

(ख) गुरुवचनम् अमलम् अपि सलिलमिव महदुपजनयति श्रवणस्थितं शूलमभव्यस्य। इतरस्य तु करिण इव शङ्खाभरणमाननशोभासमुदयमधिकतरम् उपजनयति।

(ग) उद्दामदर्पश्वयथुस्थगितश्रवणविवरश्चोपदिश्यमानमपि ते न शृण्वन्ति, शृण्वन्तोऽपि च गजनिमीलितेनावधीरयन्तः खेदयन्ति हितोपदेशदायिनो गुरून् अहंकारदाहज्वरमूर्च्छान्धकारिता विह्वला हि राजप्रकृतिः।

(घ) तथाहि– सततम् उष्माणम् आरोपयन्त्यपि जाड्यमुपजनयति। उन्नतिमादधानापि नीचस्वभावतामाविष्करोति। तोयराशिसम्भवापि तृष्णां संवर्धयति। ईश्वरतां दधानापि अशिवप्रकृतित्वमातनोति। बलोपचयमाहरन्त्यपि लघिमानमापादयति।

2. निम्न में से किन्हीं **दो** की व्याख्या कीजिए:

Explain any **two** of the following: 5×2=10

(क) यौवनारम्भे च प्रायः शास्त्रजलप्रक्षालननिर्मलापि

कालुष्यमुपयाति बुद्धिः। अनुज्झितधवलतापि सरागैव भवति यूनां दृष्टिः।

(ख) अपगतमले हि मनसि स्फटिकमणाविव रजनिकरगभस्तयो विशन्ति सुखेनोपदेशगुणाः।

(ग) अकारणञ्च भवति दुष्प्रकृतेरन्वयः श्रुतं वा विनयस्य। चन्दनप्रभवो न दहति किमनलः।

(घ) लतेव विटपकानध्यारोहति। गङ्गेव वसुजनन्यपि तरङ्गबुदबुदचञ्चला।

3. शुकनासोपदेश के आधार पर लक्ष्मी के दुर्गुणों का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

Write down in your own words the demerits of 'लक्ष्मी' according to the 'Shukanasopadesha'. 10

अथवा (*Or*)

'वाणी बाणो बभूव' इस उक्ति के आधार पर बाणभट्ट की शैली पर एक निबन्ध लिखिए।

According to 'वाणी बाणो बभूव' write down an essay on the style of Banabhatta. 10

भाग ख (SECTION B)

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** का अनुवाद कीजिए:

Translate any *two* of the following: 5×2=10

(क) अथ सोऽप्याचचक्षे – देव ! मयापि परिभ्रमता विन्ध्याटव्यां कोऽपि कुमारः क्षुधा तृषा च क्लिश्यन्नक्लेशार्हः

क्वचित्कूपाभ्याशे अष्टवर्षदेशीयो दृष्टः। स च त्रासगद्गदमगदत् — महाभाग, 'क्लिष्टस्य मे क्रियतामार्य साहाय्यकम्। अस्य मे प्राणापहारिणीं पिपासां प्रतिकर्तुमुदकमुदञ्चन्निह कूपे कोऽपि निष्कलो ममैकशरणभूतः पतितः। तमलमस्मि नाहम् उद्धर्तुम' इति।

(ख) देव! दैवानुग्रहणेन यदि कश्चिद् भाजनं भवति विभूतेः तमकस्मादुच्चावच्चैरूपप्रलोभनैः कदर्थयन्तः स्वार्थं साधयन्ति धूर्ताः। तथाहि। केचित्प्रेत्य किल लभ्यैरभ्युदयाति-शयैराशामुत्पाद्य मुण्डयित्वा शिरोः, बद्धवा दर्भरज्जुभिः अजिनेनाच्छाद्य नवनीतेनोपलिप्य अनशनं च शाययित्वा सर्वस्वं स्वीकरिष्यन्ति।

(ग) येप्युदिशन्ति— 'एवमिन्द्रयाणि जेतव्यानि एवमरिषड्-वर्गस्त्याजयः, सामादिरुपायवर्गः स्वेषु परेषु चाजस्रं प्रयोज्यः। सन्धिविग्रहचिन्तयैव नेयः कालः, स्वल्पोऽपि सुखस्यावकाशो न देयः, इति तैरप्येभिमन्त्रिबकैर्युष्मत्तश्चौर्यार्जितं धनं दासीगृहेष्वेव भुज्यते।

(घ) "किं बहुना! राज्यभारं भारक्षमेष्वन्तरङ्गेषु भक्तिमत्सु समर्प्य, अप्सरः प्रतिरुपाभिरन्तः पुरिकाभीरममाणो गीतसंगीतपानगोष्ठीश्च यथर्तु बध्नन् यथार्हं कुरु शरीरलाभम् इति पञ्चाङ्गस्पृष्ट भूमिरञ्जलिचुम्बितचूडश्चिरमशेत। प्राहसीच्च प्रीतिफुल्ललोचनोऽन्तः पुरप्रमदाजनः।

5. गद्यकार दण्डी की गद्यशैली को वर्णित कीजिए।

Explain the prose style of गद्यकार दण्डी. 10

अथवा (*Or*)

'विश्रुतचरितम्' के पठितांश के आधार पर विहारभद्र की उक्ति का विवेचन कीजिए।

Describe the saying of विहारभद्र according to the read portion of the 'विश्रुतचरितम्'. 10

6. प्रश्न सं. 1, प्र. सं. 2, प्रश्न सं. 4 में रेखांकित शब्दों में से किन्हीं **पाँच** शब्दों पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखिये।

Write grammatical notes on any *five* of the underlined words in Question Nos. 1, 2 and 4. 5

भाग ग (SECTION C)

7. संस्कृत गद्यकाव्यों का उद्भव बताते हुए **दो** प्रमुख गद्यकाव्यों पर एक लघु निबन्ध लिखिए।

Explain the origin of Sanskrit गद्यकाव्य and write down a short essay on two important गद्यकाव्य. 10

अथवा (*Or*)

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए:

Write short notes on any *two* of the following:

वासवदत्ता, अम्बिकादत्तव्यास, कादम्बरी, दशकुमारचरितम्। 10

8. संस्कृत साहित्य में उपलब्ध लोककथा को वर्णित कीजिए।

Describe the लोककथा available in Sanskrit Literature. 10

अथवा (*Or*)

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए:

Write short notes on any *two* of the following:

हितोपदेश, शुकसप्तति, पुरुषपरीक्षा, सिंहासनद्वात्रिंशिंका, वेतालपंचविंशति। 10

(13)

This question paper contains 6 printed pages.

Your Roll No. 9017

Sl. No. of Ques. Paper : 6300 G

Unique Paper Code : 213201

Name of Paper : Sanskrit Literature – II

Name of Course : B.A. (Hons.) Sanskrit

Semester : II

Duration : 3 hours

Maximum Marks : 75

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिये।)

NOTE :– Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी : अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिये; परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Answer **all** questions.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड क (PART A)

1. प्रत्येक खण्ड से दो-दो पद्यों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

   Explain with context any *two* of the following from each Section:

Turn over

(क) तां देवतापित्रतिथिक्रियाऽथमिन्वग्ययौ मध्यमलोकपालः।
बभौ च सा तेन सतां मतेन श्रद्धेव साक्षाद् विधिनोपपन्ना ॥

(ख) अलं महीपाल तव श्रमेण प्रयुक्तमप्यस्त्रमितो वृथा स्यात्।
न पादपोन्मूलनशक्तिरंहः शिलोच्चये मूर्च्छति मारुतस्य ॥

(ग) क्षतात् किल् त्रायत इत्युदग्रः क्षत्रस्य शब्दो भुवनेषु रूढः।
राज्येन किं तद्विपरीतवृत्तेः प्राणैरुपक्रोशमलीमसैर्वा ॥

(घ) स त्वं निवर्तस्व विहाय लज्जां गुरोर्भवान् दर्शितशिष्यभक्तिः।
शस्त्रेण रक्ष्यं यदशक्यरक्षं न तद्यशः शस्त्रभृतां क्षिणोति ॥

खण्ड ख (PART B)

(क) धनं लभेत दानेन मौनेनाज्ञां विशां पतेः।
उपभोगांश्च तपसा ब्रह्मचर्येण जीतिवम् ॥

(ख) यस्यां यस्यामवस्थायां यत्करोति शुभाशुभम्।
तस्यां तस्यामवस्थायां भुङ्क्ते जन्मनि जन्मनि ॥

(ग) जीर्यन्ति जीर्यत केशाः दन्ताः जीर्यन्ति जीर्यतः।
चक्षुः श्रोत्रे च जीर्येते तृष्णैका न तु जीर्यते ॥

(घ) सर्वे तस्यादृता धर्मा यस्यैते त्रयमादृताः।
अनादृतास्तु यस्यैते सर्वास्तस्याफलाः क्रियाः ॥ 6×4=24

2. 'रघुवंशम्' के द्वितीय सर्ग में वर्णित दिलीप के निःस्वार्थ सेवाभाव एवं त्याग पर एक निबन्ध लिखिए।

Write an essay on selfless service and sacrifice of Dilip on the basis of the second canto of 'रघुवंशम्'.

अथवा *(Or)*

'रघुवंशम्' के द्वितीय सर्ग के आधार पर 'उपमा कालिदासस्य' पर एक निबन्ध लिखिए।

Write an essay on 'उपमा कालिदासस्य' on the basis of the second canto of 'रघुवंशम्'. 10

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** की संस्कृत में व्याख्या कीजिए:

Explain any *one* of the following in Sanskrit:

(क) येन प्रीणाति पितरं तेन प्रीतः प्रजापतिः।
प्रीणाति मातरं येन पृथिवी तेन पूजिता ॥

(ख) अधीत्य सर्ववेदान् वै वाचं दद्याच्च सूनृताम्।
अनुव्रजेदुपासीत् स यज्ञः पंचदक्षिणः ॥ 6

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की व्याख्या कीजिए:

Explain any *two* of the following:

(क) अकारणं च भवति दुष्प्रकृतेरन्वयं श्रुतं वा विनयस्य। चन्दनप्रभवो न दहति किमनलः? किं वा प्रशमहेतुनापि न प्रचण्डतरी भवति वाडवानलो वारिणा?

(ख) केवलं च निसर्गत एव। अभानुभेद्यमरत्नालोकोच्छेद्यमप्रदीपप्रभाप-
नेयमतिगहनं तमो यौवनप्रभवम्।

(ग) अकालकुसुमप्रसवा इव मनोहराकृतयोपि लोकविनाशहेतवः।
श्मशानग्नय इवातिरौद्रभूतयः। तैर्भिरिका इवादूरदर्शिनः।

(घ) अप्रत्ययबहुला च दिवसान्तकमलमिव समुपचितमूलदण्डकोश-
मण्डलमपि मुञ्चति भुभुजम्। 5×2=10

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** का अनुवाद कीजिए:

Translate any *two* of the following:

(क) आगमदीपदृष्टेन खल्वध्वुना सुखेन वर्तते लोकयात्रा। दिव्यं हि चक्षुर्भूतभवद्भविष्यत्सु व्यवहितविप्रकृष्टादिषु च विषयेषु शास्त्रं नामाप्रतिहतवृत्तिः। तेन हीनः सतोरप्यायतविशालयोः लोचनयोरन्ध एव जन्तुरर्थदर्शनेष्वसामर्थ्यात्। अतो विहाय बाह्यविद्या-स्वभिषङ्गमागमयदण्डनीतिं कुलविद्याम्। तदर्थानुष्ठानेन चावर्जित-शक्तिसिद्धिरस्खलितशासनः शाधि चिरमुदधिमेखलामुर्वीम् इति।

(ख) स 'तथा' इत्यधीते शृणोति च। तत्रैव जरां गच्छति। तत्तु किल शास्त्रं शास्त्रान्तरानुबन्धि। सर्वमेव वाङ्मयं विदित्वा न तत्त्वतोऽधिगम्यते। भवतु कालेन बहुनाल्पेन वा तदर्थाधिगतिः।

अधिगतशास्त्रेण चादावेव पुत्रदारमपि न विश्वास्यम्। आत्मकुक्षेरपि कृते तण्डुलैरियद्भिरियानोदनः सम्पद्यते।

(ग) अद्य दृष्टो दुःस्वप्नः, दुःस्थाः ग्रहाः, शकुनानि चाशुभानि। शान्तयः क्रियन्ताम्। सर्वमस्तु सौवर्णमेव होमसाधनम्। एवं सति कर्म गुणवद् भवति। ब्रह्मकल्पा इमे ब्राह्मणाः। कृतमेभिः स्वत्ययनं कल्याणतरं भवति। ते चामी कष्टदारिद्रय बहूवपत्या यज्वानो वीर्यवन्तश्चाद्याप्यप्राप्तप्रतिग्रहाः।

(घ) सत्यमाह चाणक्यः — 'चित्तज्ञानानुवर्तिनोनोऽनर्था अपि प्रियाः स्युः। दक्षिणा अपि तद्भाव— बहिष्कृता द्वेष्या भवेयुः इति तथापि का गतिः। अविनीतोऽपि न परित्याज्यः पितृपैतामहैरस्मा-दृशैरयमधिपतिः। अपरित्यजन्तोऽपि कमुपकारमुपश्रूयमाण-वाचः कुर्मः। सर्वथा न यज्ञस्य वसन्तभानोरश्मकेन्द्रस्य हस्ते राज्यमिदं पतितम्। अपि नामापदौ भाविन्यः प्रकृतिस्थमेनमा-पादयेयुः। 5×2=10

6. 'शुकनासोपदेश' में चित्रित समाज का वर्णन कीजिए।

Describe the society depicted in 'शुकनासोपदेश'.

अथवा *(Or)*

दण्डी की गद्यशैली पर एक निबन्ध लिखिए।

Write an essay on गद्यशैली of Dandin. 10

7. प्रश्न संख्या 1 एवं 5 के रेखांकित किन्हीं **पाँच** पदों पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखिए।

Write grammatical notes on any *five* of the underlined words in Question Nos. 1 and 5. 5

This question paper contains 4 printed pages] (14) 2017

Roll No. | | | | | | | | | | | |

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19

S. No. of Question Paper : **6301**

Unique Paper Code : **213202** G

Name of the Paper : **Critical Survey of Sanskrit Literature–I (संस्कृत-साहित्य का आलोचनात्मक सर्वेक्षण-I)**

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Sanskrit Paper V**

Semester : **II**

Duration : 3 Hours Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

टिप्पणी :— अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत **या** हिंदी **या** अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Note :— Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English, but the same medium should be used throughout the paper.

सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं।

All questions are compulsory.

P.T.O.

भाग 'क'

(Section 'A')

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिये : 2×12=24

(*i*) अथर्ववेद के वर्ण्य-विषय का प्रतिपादन कीजिए।

(*ii*) उपनिषदों में प्रतिपादित ब्रह्म-तत्त्व का विवेचन कीजिए।

(*iii*) ब्राह्मण ग्रन्थों की प्रमुख विशेषताएँ बताइए।

(*iv*) ऋग्वेद के धर्म का विवेचन कीजिए।

Attempt any *two* of the following questions :

(*i*) Discuss the subject-matter of Atharvaveda.

(*ii*) Discuss the concept of Brahma-tattva as propounded in the Upanishads.

(*iii*) Discuss the main characteristics of Brahmana texts.

(*iv*) Discuss the religion of Rigveda.

भाग 'ख'

(Section 'B')

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिये : 2×12=24

(*i*) आदिकाव्य के रूप में रामायण का विवेचन कीजिए।

(*ii*) 'महाभारत' पञ्चमो वेदः' का विश्लेषण कीजिए।

(*iii*) पुराणों के प्रमुख लक्षण बताइए एवं पुराणों के सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डालिए।

(*iv*) रामायणकालीन व महाभारतकालीन संस्कृतियों का तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत कीजिए।

Attempt any *two* of the following questions :

(*i*) Discuss the Ramayana as an Adikavya.

(*ii*) Discuss the Mahabharata as Fifth Veda.

(*iii*) Discuss the main features of Puranas and throw light on the cultural importance of Puranas.

(*iv*) Compare the cultures of Ramayana period and Mahabharata period.

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए, जिनमें से एक **संस्कृत** में हो : 3×7=21

Write notes on any *three* of the following in which one should be in **Sanskrit** :

(*i*) आरण्यक-ग्रन्थ

(*ii*) यजुर्वेद

(*iii*) श्रीमद्भगवद्गीता

(*iv*) व्याकरण

(*v*) कल्प

(*vi*) निरुक्त

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 2×3=6

Write notes on any *two* of the following :

(*i*) मैक्समूलर

(*ii*) अविनाशचन्द्रदास

(*iii*) विण्टरनित्स

(*iv*) सम्पूर्णानन्द

This question paper contains 4 printed pages]

Roll No.

S. No. of Question Paper : **6302**

Unique Paper Code : **213206**

Name of the Paper : **Self Management in the Gita (Paper VI)**

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Sanskrit**

Semester : **II**

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

Note :— Unless otherwise required in a question, answers should be written either in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :— अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत **या** हिन्दी **या** अंग्रेज़ी किसी एक भाषा में दीजिए; परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Answer *all* questions.

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19

1. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए : 5×7=35

Explain the following :

(क) इन्द्रियाणि पराण्याहुरिन्द्रियेभ्यः परं मनः।

मनसस्तु पराबुद्धिर्यो बुद्धेः परतस्तु सः॥

अथवा/*Or*

इन्द्रियाणां हि चरतां यन्मनोऽनुविधीयते।

तदस्य हरति प्रज्ञां वायुर्नावमिवाम्भसि॥

(ख) लोभः प्रवृत्तिरारम्भः कर्मणामशमः स्पृहा।

रजस्येतानि जायन्ते विवृद्धे भरतर्षभ॥

अथवा/*Or*

यततो ह्यपि कौन्तेय पुरुषस्य विपश्चितः।

इन्द्रियाणि प्रमाथीनि हरन्ति प्रसभं मनः॥

(ग) पत्रं पुष्पं फलं तोयं यो मे भक्त्या प्रयच्छति।

तदहं भक्त्युपहृतमश्नामि प्रयतात्मनः॥

अथवा/*Or*

मनः प्रसादः सौम्यत्वं मौनमात्मविनिग्रहः।

भावसंशुद्धिरित्येतत्तपो मानसमुच्यते॥

(घ) सत्त्वं रजस्तम इति गुणाः प्रकृतिसम्भवाः।

निबध्नन्ति महाबाहो देहे देहिनमव्ययम्॥

अथवा/*Or*

युक्ताहारविहारस्य युक्तचेष्टस्य कर्मसु।

युक्तस्वप्नावबोधस्य योगो भवति दुःखहा॥

(ङ) नियतं कुरु कर्म त्वं कर्म ज्यायो ह्यकर्मणः।

शरीरयात्रापि च ते न प्रसिद्धयेदकर्मणः॥

अथवा/*Or*

चंचलं हि मनः कृष्ण प्रमाथि बलवद्दृढम्।

तस्याहं निग्रहं मन्ये वायोरिव सुदुष्करम्॥

2. 'आत्मप्रबन्धन' से आप क्या समझते हैं ? श्रीमद्भगवद्गीता के अनुसार आत्मप्रबन्धन का विवेचन कीजिए। 11

What do you mean by self-management ? Discuss the concept of 'self-management' according to the Gita.

अथवा/*Or*

गीता के अनुसार इन्द्रियों एवं मन के नियंत्रण हेतु आत्मप्रबन्धन की प्रक्रिया की विवेचना कीजिए। 11

Discuss the process of self-management in controlling the senses and mind according to the Gita.

3. श्रीमद्भगवद्गीता के आधार पर मानसिक द्वन्द्वों से मुक्ति के लिए भक्ति किस प्रकार सहयोगी है, विवेचना कीजिए। 11

Discuss the relevance of devotion in controlling the mind from conflict on the basis of Srimadbhagvadgita.

अथवा/*Or*

गीता के अनुसार योग की सिद्धि हेतु आहार शुद्धि के महत्त्व पर प्रकाश डालिए। 11

Discuss the importance of purity of food in attaining the Yoga according to the Gita.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणियाँ लिखिए : 3×6=18

Write short notes on any *three* of the following :

(*i*) त्रिविधि तपश्चर्या Three types of austerity

(*ii*) व्यवसायात्मिका बुद्धि Determinate and one pointed Intellect.

(*iii*) चतुर्विध भक्त Four kinds of devotees.

(*iv*) बुद्धि का स्वरूप Nature of Intellect.

(*v*) मनोनिग्रह Restraint of the Mind.

(*vi*) ईश्वर की सर्वव्यापकता Omnipresence of God.